

मृच्छकटिक  
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

- 1- दत्तधारिणी वसन्तसेना की रुक ----- है।  
(A) अतिथि (B) परिचारिका  
(C) सखी (D) ऊपर्युक्त में से कोई नहीं
- 2- ~~शर्विलक~~ 'मूर्खस्य दिशः शुन्माः।' यह श्लोकांश उद्धृत है-  
(A) कपूरमञ्जरी से (B) उत्तररामचरित से  
(C) मृच्छकटिक से (D) कुमारसम्भव से
- 3- नमो ~~योग्याय~~ योगाचार्याय यस्याहं प्रथमः शिष्यः। यह कथन है-  
(A) दत्तधारिणी का (B) आर्षक का  
(C) पालक का (D) शर्विलक का
- 4- रात में सुवर्णभाण्ड की रखवाली का उत्तरदायित्व है-  
(A) मैतेय का (B) वर्धमातक का  
(C) संवाहक का (D) ऊपर्युक्त में से कोई नहीं
- 5- माधुर है-  
(A) जुआरी (B) रुक सेवक  
(C) प्रधान जुआरी (D) शकार का मित्र
- 6- मृच्छकटिक का नायक है-  
(A) धीर प्रशान्त (B) धीरललित  
(C) धीरोदात्त (D) प्रतिनायक

उत्तर: 1(B), 2(C), 3(D), 4(A), 5(C), 6(A)

7- मृच्छकटिक में शर्विलक ने कितने प्रकार की संधियों का वर्णन किया है ?

(A) पाँच

(B) आठ

(C) छह

(D) सात

8- 'दुर्दुरक' किसका पद लेता है ?

(A) संवाहक का

(B) वर्धमानक का

(C) माधुर का

(D) द्यूतकर का

9- 'द्विजसार्पवाह' किसके लिए प्रयुक्त है ?

(A) शूद्रक के लिए

(B) शकार के लिए

(C) चारुदत्त के लिए

(D) विदूषक के लिए

10- शैशिल का -

(A) विदूषक का शत्रु

(B) गात्रक

(C) चारुदत्त का अनुज

(D) चारुदत्त का अग्रज

---

उत्तर: 7(D), 8(A), 9(C), 10(B)